This question paper contains 5 printed pages.]

9607

Your Roll No. .....
आपका अनुक्रमांक .....

B.Com. (H) /III B

Elective Group : ED – International Business and Globalisation

Paper XXVI – POLITICS OF GLOBALISATION

(Admissions of 2004 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : *(i) The maximum marks printed on the question-paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning for the B.Com. (Hons.) These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges, at the time of posting of awards for compilation of result.*

प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के बी.कॉम (ऑनर्स) में प्रवेश-प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं।

[P.T.O.

नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

(ii) *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt **all** questions.*
All questions carry equal marks.
***सभी** प्रश्न कीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Define globalization. Critically examine the impact of globalization on developed and developing nations.

Or

Growing integration of economies and societies around the world is complex process that affects many aspects of our lives. Discuss how workers of both developed and developing countries are affected due to globalisation.

वैश्वीकरण को परिभाषित कीजिए। विकसित और विकासशील देशों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

अथवा

संसार भर की अर्थव्यवस्थाएँ और समाजों का बढ़ता हुआ एकीकरण एक जटिल प्रक्रिया है जो हमारे जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित करती है। विवेचना कीजिए कि दोनों, विकसित और विकासशील देशों के श्रमिक वैश्वीकरण से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं।

2. Explain the radical approach of globalization. Do you think the anti globalisation will solve the problem of common people in developed and developing economy?

Or

Critically examine the liberal approach to globalisation. Do you think that this approach is applicable in current economic scenario?

वैश्वीकरण के आमूलचूल (Radical) उपागम का वर्णन कीजिए। क्या आप सोचते हैं कि गैर वैश्वीकरण विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के आम आदमी की समस्या का समाधान कर पायेगा ?

अथवा

वैश्वीकरण के उदारवादी उपागम का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। क्या आप सोचते हैं कि वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में यह उपागम लागू होने योग्य है ?

3. IMF is the key player in implementing globalisation. Critically examine the role and functioning of IMF in current economic environment.

Or

WTO is a key player in implementing globalization. Discuss the role of WTO and its impact on social fabric of the society.

वैश्वीकरण के क्रियान्वन में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष एक महत्वपूर्ण पक्ष है। वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में IMF की भूमिका तथा क्रियाशीलता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

अथवा

वैश्वीकरण के क्रियान्वन में WTO एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। WTO की भूमिका और समाज के सामाजिक ताने-बाने पर इसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the concept and role of civil society in democratic liberal society. What are the factors responsible for increasing role of civil society in global world ?

Or

Globalisation of economy has resulted in adversely affecting the sovereignty and lesser role of State. Critically examine this statement.

एक लोकतांत्रिक उदार समाज में नागरीय समाज (Civil Society) की अवधारणा तथा भूमिका की विवेचना कीजिए। वैश्विक विश्व में नागरीय समाज की बढ़ती हुई भूमिका के लिए उत्तरदायी संघटक कौन-कौन से हैं ?

अथवा

अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण का परिणाम सार्वभौमिकता और कुछ कम सीमा तक राज्य की भूमिका पर विपरीत प्रभाव के रूप में हुआ है। इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. Write short notes on any **two** :

(a) Migration in globalized world

(b) Civil society and social movements

(c) World Bank

(d) Globalisation in India

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :

(अ) वैश्वीकृत विश्व में प्रव्रजन

(ब) नागरीय समाज और सामाजिक आंदोलन

(स) विश्व बैंक

(द) भारत में वैश्वीकरण